समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19

अ

जैन विद्या भाग–1 व 2 संयुक्त परीक्षा

(जैन विद्या भाग–1 एवं 2 के पाठ्यक्रम से)

समय : 1 घण्टा पूर्णांक 50

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :– सभी प्रश्नों के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

1. बीसवें तीर्थंकर कौन हैं–

   (अ) भगवान अनंतनाथ (ब) भगवान अरनाथ

   (स) भगवान मुनिसुव्रतनाथ (द) भगवान शीतलनाथ ( )

2. गणाधिपति गुरुदेव तुलसी का महाप्रयाण कहां हुआ?

   (अ) बीकानेर (ब) लाडनूँ

   (स) सरदारशहर (द) छापर ( )

3. समितियाँ कितनी हैं–

   (अ) 8 (ब) 5

   (स) 3 (द) 13 ( )

4. इनमें से कौन क्षीरकदम्ब उपाध्याय का शिष्य नहीं हैं–

   (अ) पर्वत (ब) कनक

   (स) वसु (द) नारद ( )

5. सावद्य का अर्थ क्या हैं–

   (अ) पुण्य सहित प्रवृत्ति (ब) पाप रहित प्रवृत्ति

   (स) पुण्य रहित प्रवृत्ति (द) पाप सहित प्रवृत्ति ( )

6. अणुव्रत आंदोलन का प्रारंभ कब हुआ?

   (अ) वि.सं. 2005 (ब) वि.सं. 2050

   (स) वि.सं. 1993 (द) वि.सं. 2018 ( )

7. पयाहिणं का अर्थ हैं–

   (अ) तीन बार (ब) प्रदक्षिणा

   (स) धर्म देव (द) ज्ञानवान ( )

8. भगवान महावीर का निर्वाण कब हुआ–
(अ) कार्तिक कृष्ण अमावस्या (ब) कार्तिक शुक्ल अमावस्या
(स) आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा (द) चैत्र कृष्ण अमावस्या ( )

9. एक माला के कितने मनके होते हैं–
(अ) 109 (ब) 36
(स) 104 (द) 108 ( )

10. पुरिसा! सच्चमेव समभिजाणाहि–अर्हत वंदन के किस सूत्र में हैं–
(अ) अहिंसा सूत्र (ब) साम्य सूत्र
(स) सत्य सूत्र (द) मोक्ष सूत्र ( )

11. सुपर्ण कुमार का दण्डक हैं–
(अ) छठा (ब) चौथा
(स) नौवां (द) इनमें से कोई भी नहीं ( )

12. आचार्य भिक्षु का जन्म –
(अ) वि.सं. 1783 (ब) वि.सं. 1808
(स) वि.सं. 1817 (द) वि.सं. 1786 ( )

13. जैनो के मुख्य कितने पर्व हैं?
(अ) 3 (ब) 2
(स) 4 (द) 6 ( )

14. अमर रहेगा धर्म हमारा का रचयिता कौन हैं?
(अ) आचार्यश्री तुलसीजी (ब) आचार्यश्री महाप्रज्ञजी
(स) आचार्यश्री भीखणजी (द) आचार्यश्री महाश्रमणजी ( )

15. हरिकेशी मुनि किस जाति के थे–
(अ) वैश्य (ब) कुंभकार
(स) ब्राह्मण (द) चांडाल ( )

16. जीतमलजी के शासनकाल में कितनी दिक्षाएँ हुई?
(अ) 303 (ब) 330
(स) 103 (द) 313 ( )

17. पथ्य–अपथ्य भोजन के समान कौन सा तत्व हैं?
(अ) जीव–अजीव (ब) आश्रव–संवर
(स) पुण्य–पाप (द) बंध–मोक्ष ( )

18. काल क्षेत्र से–
(अ) लोक परिमाण (ब) अढ़ाई द्वीप परिमाण
(स) लोक–आलोक परिमाण (द) जम्बूद्वीप परिमाण ( )

19. भगवान ऋषभदेव ने अपने पुत्र भरत को कितनी कलाएँ सिखाई–

(अ) 75 (ब) 18

(स) 90 (द) 72 ( )

20. अर्हंत वंदना का प्रारम्भ कहाँ हुआ–

(अ) मुम्बई (ब) मद्रास

(स) लाडनूँ (द) कलकत्ता ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –

1. जिस व्रत से.....का लाभ होता है, उसका नाम सामायिक हैं।
2. भगवान महावीर के निर्वाण के पश्चात..... स्वामी उनके उत्तराधिकारी बने।
3. कर्म ग्रहण करने वाले जीव के परिणाम को.....कहते हैं।
4. अमलतम.....में स्वयं निष्णात हैं।
5. साधु–साध्वियों को वंदन करते समय.....नहीं बोलना चाहिए।
6. आशातना करने से.....का बंध होता हैं।
7. हमारा सबसे बड़ा शत्रु.....।
8. आचार्य भिक्षु का प्रथम चर्तुमास केलवा के.....में हुआ।
9. राष्ट्रपति अब्दुल कलाम और.....दोनों ने संयुक्त रूप से एक पुस्तक लिखी।
10. हरी सब्जी, अनाज आदि को.....के जीव कहते हैं।
11. धर्म नाम से.....करते, धर्म नाम से निज.....भरते।
12. भगवान ऋषभ से पहले.....युग था।
13. जो व्यक्ति साधना के द्वारा अपने.....को नष्ट कर देता हैं, वह मौत से बच जाता है।
14. .....केवल धर्म ही नहीं अपितु वह एक बहुत दूरगामी नीति भी है।

15. आकाश तो सब जगह.....फैला हुआ हैं।

16. बिन्दु भी हम.....भी है, भक्त भी भगवान भी हैं।

17. चौथा बोल.....

18. परमेष्ठी वंदना के रचनाकार.....हैं।

19. विद्यार्थी या शिक्षक हो.....व्यापारी।

20. आचार्य भारमलजी कितने वर्षों तक युवाचार्य पद पर रहे.....

सही और गलत का चयन करे (✓) या (×) का चिन्ह लगाएं –

1. छः द्रव्यों में सिर्फ धर्मास्तिकाय रुपी हैं। ( )

2. चत्तरि मंगल–मंगल चार हैं। ( )

3. एषणा समिति–शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना। ( )

4. छठा बोल शरीर पाँच। ( )

5. संवत्सरी का दिन क्षमायाचना का सबसे बड़ा दिन हैं। ( )

6. दो इन्द्रिय वाले जीव–चींटी, मकोड़ा, जूं ( )

7. धर्म प्रचार हेतु सर्वप्रथम आचार्य रायचंदजी का थली में पदार्पण हुआ। ( )

8. अमरकुमार नमस्कार महामंत्र के प्रभाव से बचा ( )

9. पानी पृथ्विकाय के जीवों का शरीर हैं। ( )

10. जो आत्माएँ राग–द्वेष रूप कर्म शत्रुओं का नाशकर केवलज्ञान प्राप्त कर लेती है, उन्हें अरहंत कहते हैं। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19

ब

जैन विद्या भाग- 1 व 2 संयुक्त परीक्षा

(जैन विद्या भाग–1 एवं 2 के पाठ्यक्रम से)

समय : 2 घण्टा पूर्णांक 50

नोट :- सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें – 10×5=50

1. भांगा–49 का अंक 12 के कितने भांगों होते हैं? समझाएँ।
2. आचार्य भारमलजी का जन्म कब व कहाँ हुआ? उनके मुनि जीवन के घटना प्रसंगों पर प्रकाश डालें।
3. तत्व का अर्थ? कितने हैं? उन पर संक्षिप्त वर्णन करें।
4. पंचपद वंदना का दूसरा पद्य एवं अणुव्रत गीत का दूसरा पद्य लिखें।
5. आचार्य श्री महाश्रमण जी का संक्षिप्त में परिचय प्रस्तुत करें।
6. तेरापंथ की मर्यादाएँ क्या–क्या हैं? विस्तार से समझाएँ।
7. वंदना पाठ शुद्ध लिखो व वंदना करने की विधि क्या है?
8. देव, गुरु, धर्म का स्वरूप क्या है? धर्म का आचरण किस प्रकार किया जाता हैं?
9. अर्हत वंदना का मोक्ष सूत्र अर्थ सहित लिखें।
10. भगवान महावीर के साधना काल का वर्णन करें।
11. 'क्रोध को क्षमा से शान्त करों' या 'धन अनर्थ का मूल' को अपने शब्दों में लिखें।